



ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
चंद्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
कानपूर, उत्तर प्रदेश



मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 20-05-2025

हाथरस(उत्तर प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-05-20 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2025-05-21	2025-05-22	2025-05-23	2025-05-24	2025-05-25
वर्षा (मिमी)	1.0	1.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	40.0	41.0	40.0	40.0	39.0
न्यूनतम तापमान(से.)	29.0	28.0	28.0	28.0	28.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	57	63	51	50	68
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	31	29	22	24	30
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	9	6	15	9	5
पवन दिशा (डिग्री)	117	27	98	92	356
क्लाउड कवर (ओक्टा)	1	2	2	0	5
चेतावनी	आंधी और बिजली, तूफान आदि; तेज़ सतही हवाएँ	आंधी और बिजली, तूफान आदि; तेज़ सतही हवाएँ	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं

पूर्वानुमान सारांश:

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार आगामी पांच दिनों में हल्के से मध्यम बादल छाये रहने के कारण 21-22 मई, 2025 के मध्य स्थानीय स्तर पर गरज-चमक के साथ हल्की वर्षा, आंधी-तूफान, तेज सतही हवाएं चलने की संभावना है। अधिकतम तापमान 39.0- 41.0°C के मध्य है, जो सामान्य से 1-2°C अधिक रहने की संभावना है तथा न्यूनतम तापमान 27.0-28.0°C के मध्य है, जो सामान्य से 1-2°C अधिक रहने की संभावना है। सापेक्षिक आर्द्रता की अधिकतम एवं न्यूनतम सीमा 57-68 तथा 22- 31% के मध्य है। हवा की दिशा दक्षिण-पूर्व, उत्तर-पूर्व, उत्तर-पश्चिम है तथा हवा की गति 5.0-15.0 किमी प्रति घंटा के मध्य है, तथा झोंके सामान्य से 6-8 किमी प्रति घंटा अधिक गति से चलने की संभावना है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार 21-23 मई, 2025 को स्थानीय स्तर पर हल्की वर्षा, गरज-चमक के साथ तूफान व बिजली गिरने, तेज सतही हवाएं चलने की चेतावनी है।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

मौसम की स्थिति को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे जायद की खड़ी फसलों में सिंचाई का कार्य प्रातःकाल एवं दोपहर के समय न करे। सुबह 11 बजे से शाम 04 बजे के बीच खेतों पर कोई कार्य न करें तथा खड़ी

फसलों में हल्की सिंचाई 7-8 दिन के अन्तराल पर सायंकाल के समय करें। पशुओं को सुबह 11 बजे से शाम 04 बजे तक चरने लिए बाहर न छोड़ें। पशुओं को सुबह - शाम नहलायें। दोपहर के वक्त अनावश्यक घर से बाहर न निकले यदि आवश्यक कार्य है तो सिर पर गमछा बाँध कर ही घर से बाहर निकले।

सामान्य सलाहकार:

वर्षा, गरज-चमक, तेज सतही हवाएं चलने की संभावना को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे जायद फसलों में सिंचाई कार्य स्थगित रखें तथा हवाओं के शांत होने पर ही मक्के की खड़ी फसल में सिंचाई का कार्य करें। कीटनाशी, रोगनाशी और खरपतवारनाशी रसायनों का छिड़काव हवा के शांत/आसमान साफ होने पर ही करें और हवा की विपरीत दिशा में खड़े होकर कीटनाशकों, कीटनाशकों और खरपतवारनाशकों का स्प्रे न करें। यदि संभव हो तो, छिड़काव करने के बाद, खाने से पहले और कपड़े धोने के बाद हाथों को साबुन या हाथ धोने से अच्छी तरह से धोना चाहिए।

लघु संदेश सलाहकार:

वर्षा, गरज-चमक, तेज हवाएं चलने की संभावना को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे जायद फसलों में सिंचाई कार्य स्थगित रखें तथा हवाओं के शांत होने पर ही मक्के की खड़ी फसल में सिंचाई का कार्य करें।

फसल विशिष्ट सलाह:

फसल	फसल विशिष्ट सलाह
मक्का	मक्के की फसल जीरा निकलने/भुट्टा बनने/दाना भरने की अवस्था पर चल रही है जो नमी के कमी के प्रति संवेदनशील हैं। अतः आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई कर उचित नमी बनायें रखें। मक्के की फसल में तना बेधक/प्ररोह मक्खी कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है अतः इसके रोकथाम हेतु इमामेक्टिन बेंजोएट 5% एस जी 200 ग्राम/हेक्टेयर अथवा डाइमथोएट 30% ईसी 1.0 लीटर/हेक्टेयर की दर से 600-700 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
काला चना	उर्द/मूँगा की फसल फूल से फली बनने की अवस्था पर चल रही है जो नमी के कमी के प्रति संवेदनशील हैं। अतः आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई कर उचित नमी बनायें रखें। उर्द की फसल में फली बेधक कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है अतः इसके रोकथाम हेतु इमामेक्टिन बेंजोएट 5% एस जी 220 ग्राम/हेक्टेयर या डाइमथोएट 30% ई.सी. 1.0 लीटर/हेक्टेयर की दर से 600-700 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव आसमान साफ होने पर करें।
मक्का	खरीफ मक्का की बुवाई पलेवा करने के पश्चात ही खेत की तैयारी करें, साथ ही उन्नतशील संस्तुति संकुल प्रजातियां- कंचन, गौरव,स्वेता, आजाद उत्तम एवं संकर प्रजातियां- प्रकाश,वाई -1402, बायो-9681, प्रो -316, डी -9144, दिकाल्ब- 7074, पीएचबी- 8144, दक्कन 115, एम.एम.एच.-133 आदि में से एक किसी एक प्रजाति की बुवाई के लिए खाद एवं बीज की व्यवस्था करें। मक्के की संकुल प्रजाति की बुवाई के लिए 20-25 किलोग्राम बीज/हेक्टेयर तथा शंकर प्रजाति 18-20 किलोग्राम बीज/हेक्टेयर की दर से बुवाई करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
बैंगन	कद्दू, लौकी, तरौई, करैला, खीरा, ककड़ी, तरबूज, खरबूजा आदि तैयार फसलों की तुड़ाई कर बाजार भेजें। सब्जियों की फसलों में फल छेदक/पत्ती छेदक कीट की रोकथाम हेतु नीम आयल 1.5-2.0 मिली०/लीटर पानी में घोल बनाकर 3-4 छिड़काव 8-10 दिन के अन्तराल पर करें। सब्जियों की खड़ी फसलों में निराई - गुड़ाई करें तथा सिंचाई का कार्य 8-10 दिन के अन्तराल पर शाम के समय करें।
मंड़ारिन संतरे	नये बागों की रोपाई के लिए गड्डो की खुदाई करें। आम, अमरूद, नींबू बेर, अंगूर, पपीता व लीची आदि के बागों में सिंचाई का कार्य करें। आम के फलों को गिरने से बचाने के लिए बागों की सिंचाई करें अथवा एल्फा नेफ्थलीन एसिटिक एसिड के 4.5 एस.एल. के 20 मिली० प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। आम के फलों में कोयलिया विकार या आंतरिक सड़न रोग की रोकथाम हेतु बोरेक्स 0.8 प्रतिशत 0.8 ग्राम/लीटर पानी में घोल बनाकर 10 दिन के अन्तराल पर 2 छिड़काव करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भैंस	वर्तमान मौसम को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पशुओं को रात के दौरान खुले में बांधें। पशुओं को दिन के समय छायेदार स्थान पर बांधे या पेड़ के नीचे पशुओं को न बांधें क्योंकि इस सप्ताह हवाओं की गति सामान्य से तेज चलने के कारण पेड़ / पेड़ों की टहनियों के गिरने की सम्भावना अधिक रहती हैं। पशुओं को खुरपका-मुँहपका रोग की रोकथाम हेतु एफ.एम.डी. वैक्सीन तथा लगड़िया बुखार से बचाव हेतु वी.क्यू. वैक्सीन से टीकाकरण कराये। पशुओं को हरे और सूखे चारे के साथ पर्याप्त मात्रा में अनाज दें। पशुओं को साफ एवं ताजा पानी दिन में ३-४ बार अवश्य पिलायें। गर्भित पशुओं को ढलान वाले स्थान पर न बांधें। पशुओं को पेट में कीड़ा की रोकथाम के लिए कृमिनाशक दवा देने का उचित समय है।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
मुर्गी	किसानों को सलाह दी जाती है कि वे मुर्गियों को भोजन में पूरक आहार, विटामिन और ऊर्जा खाद्य सामग्री मिलाएँ और साथ ही साथ कैल्शियम सामग्री भी मुर्गियों को दें। मुर्गियों के पेट में कीड़ा की रोकथाम (डिवमिर्ग) के लिए दवा दें। मुर्गियों को गर्मी से बचाव हेतु गर्मी हाउस में पर्दे, पंखे और वेंटिलेशन की व्यवस्था करें। मुर्गियों को गर्मी से बचाने के लिए मुर्गी घर में लगे हुए जुट के पर्दों पर पानी के छींटे मारे जिससे ठंडक बनी रहे।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार 21-25 मई, 2025 को स्थानीय स्तर पर हल्की वर्षा, गरज-चमक के साथ तूफान व बिजली गिरने, तेज सतही हवाएं चलने की चेतावनी है।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

मौसम की स्थिति को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे जायद की खड़ी फसलों में सिंचाई का कार्य प्रातःकाल एवं दोपहर के समय न करें। सुबह 11 बजे से शाम 04 बजे के बीच खेतों पर कोई कार्य न करें तथा खड़ी फसलों में हल्की सिंचाई 7-8 दिन के अन्तराल पर सायंकाल के समय करें। पशुओं को सुबह 11 बजे से शाम 04 बजे तक चरने लिए बाहर न छोड़ें। पशुओं को सुबह - शाम नहलायें। दोपहर के वक्त अनावश्यक घर से बाहर न निकले यदि आवश्यक कार्य है तो सिर पर गमछा बाँध कर ही घर से बाहर निकले।

Farmers are advised to download Unified  "Mausam" and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: <https://play.google.com/store/apps/details/>

Meghdoot MobileApp link: <https://play.google.com/store/apps/details>

Damini MobileApp link : <https://play.google.com/store/apps/details>